हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 12 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सिंधी भाषा दिवस पर किया रक्तदान

मण्डला। सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में सिंधु नवयुवक मंडल के द्वारा एक जागरूकता पहल के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ सहभागिता की। अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब परिसर में रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। आयोजन की शुरुआत में सामाजिक चिकित्सक डॉ प्रहलाद क्षत्री, डॉ राहुल पमनानी, डॉ शालू वीरानी, डॉ वसुंधरा पमनानी,चिकित्सा सलाहकार श्याम लालवानी, पूज्य सिंधी पंचायत, सिंधु नवयुवक मंडल के सदस्यों की मौजूदगी में रिबन काटकर शुभारंभ किया गया भगवान झूलेलाल के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर पुरुष एवं महिलाओं के द्वारा 44 यूनिट रक्तदान किया गया। आयोजन में जिला चिकित्सालय से मेडिकल ऑफिसर डॉ अंशुल शर्मा, पैथोलॉजी विशेषज्ञ डॉ योगेश सिरश्याम एवं जिला ब्लड बैंक की टीम के सदस्यों का सहयोग रहा।

हम फाउंडेशन की बैठक संपन्न

मण्डला। महाराजपुर में हम फाउंडेशन की विवेकानंद शाखा की मासिक बैठक आयोजित की गई जिसमें आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया केंद्रीय कार्यालय को वार्षिक सदस्यता भेजने प्रस्ताव पारित किया गया एवं निर्णय लिया गया की जिन सदस्यों ने अभी सदस्यता राशि जमा नहीं की है वे शीघ्र जमा करें पूर्व बैठक में दिए गए निर्णय अनुसार कि बैठक में आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए पक्षियों की पेयजल व्यवस्था सकोरे वितरण किए गए तथा सकोरे की स्थापना हेतु सुझाव भी बताए गए। मासिक संकलन किया गया संगठन की गतिविधियां और संगठन को गति देने हेतु बैठक में उपस्थित सदस्यों में राकेश दीक्षित, आरके एस चौहान, सुरेश चौधरी, डीडी कुमरे, शिव पटेल, जिलाध्यक्ष एचपी झरिया, राजेंद्र नेमा, कोषाध्यक्ष एसके पटेल, विवेकानंद शाखा अध्यक्ष पुहुपसिंह भारत, शैलेंद्र भदोरिया, राम कुमार पाठक, बीके राय मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन पर संदेश

मण्डला । कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत सेमरखापा के पोषक ग्राम अचली में नवांकुर संस्था धेनुबाड़ी गौरक्षण समिति के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दीवार लेखन किया गया साथ ही अजीत सिंगरहा के निजी तालाब में सामूहिक श्रमदान कर जल स्त्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया गया। विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया ने उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर नवांकुर संस्था की संचालिका श्रीमती किरण ठाकुर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी अजीत सिंगरहा, श्रीमती आशा यादव, कुसुम वाशीचंद, सुनीता मेहरा सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आबकारी कार्र्यवाही मदिरा जब्त

मण्डला। कलेक्टर के निर्देशन एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई। निवास क्षेत्र में की गई दबिश के दौरान बबलिया में दो दुकानों से कुल 52 नग देसी एवं विदेशी मदिरा बरामद कर जब्त की गई। वहीं मण्डला के पड़ाव रोड स्थित एक दुकान से थैले में विक्रय के लिए रखी गई 28 नग देसी विदेशी मदिरा भी जब्त की गई। इस कार्रवाई में कुल 45 नग देसी मदिरा प्लेन एवं 35 नग विदेशी मदिरा सहित कुल 115 नग मदिरा बरामद की गई। अवैध रूप से मदिरा विक्रय करने वाले आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जप्त मदिरा की कुल अनुमानित कीमत 7,650 रुपये आंकी गई है।

सवालों के घेरे में महिला बाल विकास अधिकारी और परियोजना अधिकारी, मनमर्जी से चला रहे कार्यालय

5 मासूम बच्चों ने खाई चूहे मारने की दवाई!

मण्डला

मंडला जिले की महिला बाल विकास व कार्यक्रम अधिकारी शालिनी तिवारी और परियोजना अधिकारी अनूप नामदेव इन दिनों सवालों के घेरे में दिखाई दे रहे हैं। जहां मंडला जिले में एक बार फिर प्रशासनिक लापरवाही ने मासूम बच्चों की जिंदगी को खतरे में डाल दिया। यह मामला सिर्फ एक दुर्घटना नहीं बल्कि उस सिस्टम की पोल खोलता है जो कागजों में तो बच्चों के पोषण और सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करता है लेकिन जमीनी हकीकत में पूरी तरह फेल नजर आता है। महिला एवं बाल विकास विभाग जो बच्चों और महिलाओं के संरक्षण की जिम्मेदारी निभाता है वही विभाग अब खुद सवालों के घेरे में है। मामला मंडला जिले के मोहगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम रमखिरिया के छपरा टोला स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का है जहां 5 मासूम बच्चों ने खेल-खेल में चूहामार की दवाई खा ली। यह घटना किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए काफी है लेकिन सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारियों को इससे कोई फर्क पड़ेगा। जानकारी के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा अपने घर में आटे के साथ चूहामार दवा मिलाकर कोने में रखा गया था। यह जहरीला मिश्रण बच्चों की पहुंच में कैसे आया यह सबसे बड़ा सवाल है। मासूम बच्चों ने इसे प्रसाद समझकर खा लिया। जैसे ही जहर का असर शुरू हुआ बच्चों की हालत बिगडऩे लगी उल्टियां शुरू हो गईं और पूरे क्षेत्र में हडक़ंप मच गया। सोचने वाली बात यह है कि जिस जगह बच्चों की देखभाल और पोषण होना चाहिए वहां अगर जहर खुले में रखा जाए तो इसे लापरवाही

नहीं बल्कि अपराध कहा जाएगा। घटना के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बच्चों को तुरंत मोहगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों की टीम ने बिना देरी किए इलाज शुरू किया जिसके चलते सभी बच्चों की जान बच सकी। फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं और उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर बार किस्मत इतनी मेहरबान रहेगी अगर इलाज में थोड़ी भी देर होती तो यह घटना एक बड़े हादसे में बदल सकती थी। इस पूरे मामले ने महिला बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले की महिला बाल विकास अधिकारी शालिनी तिवारी और परियोजना अधिकारी अनूप नामदेव की कार्यशैली पहले भी चर्चा में रही है लेकिन इस घटना ने उनकी जिम्मेदारी को सीधे कटघरे में खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ये अधिकारी न तो नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करते हैं और न ही कार्यालय में समय पर उपलब्ध रहते हैं। ऐसे में आंगनवाड़ी केंद्रों की निगरानी कैसे हो रही है यह समझ से परे है। अगर समय-समय पर निरीक्षण किया जाता तो क्या इस तरह की लापरवाही सामने आती क्या जहरीली वस्तु बच्चों की पहुंच में रहती। इन सवालों का जवाब जिम्मेदार अधिकारियों को देना ही होगा। यह कोई पहला मामला नहीं है जब आंगनवाड़ी केंद्रों में लापरवाही सामने आई हो। लेकिन हर बार जांच के नाम पर फाइलें दबा दी जाती हैं और जिम्मेदारों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। यही वजह है कि ऐसी घटनाएं बार बार दोहराई जाती हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों में योजनाएं चलाना नहीं है बल्कि जमीनी स्तर पर उनकी निगरानी और क्रियान्वयन सुनिश्चित करना भी है। लेकिन यहां तो हालात यह हैं कि विभाग के अधिकारी खुद अपने दायित्वों से मुंह मोड़ते नजर आ रहे हैं। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते इस तरह की लापरवाही पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में और भी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है। लोगों का साफ कहना है कि बच्चों की जिंदगी के साथ इस तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर प्रशासन ने जल्द कार्यवाही नहीं की तो वे आंदोलन का रास्ता भी अपना सकते हैं। घटना के बाद प्रशासन ने जांच के आदेश देने की बात कही है लेकिन यह जांच शब्द अब लोगों के लिए सिर्फ एक औपचारिकता बनकर रह गया है। हर घटना के बाद यही कहा जाता है लेकिन नतीजा शून्य रहता है। यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या सरकारी योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई हैं क्या बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सिर्फ भाषणों और रिपोर्टों में ही अच्छा दिखता है अगर आंगनवाड़ी जैसे संवेदनशील स्थानों पर भी बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पा रही है तो यह पूरे सिस्टम की विफलता है। मोहगांव के छपरा टोला की यह घटना सिर्फ एक हादसा नहीं बल्कि एक चेतावनी हैउस सिस्टम के लिए, जो अपनी जिम्मेदारियों को भूल चुका है। अगर अब भी सुधार नहीं हुआ तो अगली बार हालात और भी भयावह हो सकते हैं।

सामूहिक भोज में हुए फूड पॉयजनिंग के शिकार

मण्डला।

मोहगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब अचानक बड़ी संख्या में ग्रामीण उल्टी-दस्त और चेहरे में जलन की शिकायत लेकर पहुंचने लगे। देखते ही देखते अस्पताल परिसर मरीजों से भर गया और स्वास्थ्य अमला तत्काल सक्रिय हो गया। सभी पीड़ित डिंडोरी जिले के ग्राम जामझूला के निवासी बताए जा रहे हैं जो एक दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में भोजन करने के कुछ ही देर बाद लोगों की तबीयत बिगडऩे लगी। पहले कुछ लोगों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई लेकिन देखते ही देखते दर्जनों लोग एक जैसी समस्या से जूझने लगे। स्थिति बिगड़ती देख ग्रामीणों ने तुरंत प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। मोहगांव ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. कमलेश झिकराम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला फूड पॉयजनिंग का प्रतीत हो रहा है। देर रात करीब 2 बजे सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और 5 से 7 एम्बुलेंस की व्यवस्था कर लगभग 60 से अधिक मरीजों को सुबह 7 बजे तक मोहगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में उल्टी दस्त पेट दर्द चेहरे में जलन और झनझनाहट जैसे लक्षण पाए गए। डॉक्टरों और स्टाफ ने तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया जिसके बाद अधिकांश मरीजों की हालत में सुधार हुआ और उन्हें छुट्टी दे दी गई। हालांकि एक महिला की हालत गंभीर बनी रही जिसे तत्काल मंडला जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में भर्ती महिला पार्वती के पति द्वारका धुर्वे ने बताया कि उनके घर में दशगात्र कार्यक्रम आयोजित था जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए थे। इस घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक भोज के दौरान खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सुरक्षाकर्मी से मारपीट बिछिया थाने में मामला दर्ज

मण्डला। जिले के बिछिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को एक सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लपटी निवासी 45 वर्षीय पंचूलाल यादव जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में एक निजी एजेंसी के माध्यम से सुरक्षाकर्मी के रूप में कार्यरत हैं ने थाना बिछिया में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 10 अप्रैल को सुबह करीब 11:20 से 11:30 बजे के बीच वे अस्पताल के मुख्य द्वार पर आने वाले मरीजों और उनके परिजनों की जांच कर रहे थे

ताकि कोई भी व्यक्ति गुटखा सिगरेट जैसी प्रतिबंधित सामग्री अंदर न ले जा सके इसी दौरान बिछिया निवासी विवेक पांडे अस्पताल पहुंचा सुरक्षाकर्मी द्वारा गुटखा खाकर अंदर आने से रोकने पर आरोपी भडक़ गया और उसने पंचूलाल यादव के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट कर दी इस घटना में सुरक्षाकर्मी के चेहरे पर चोट आई है शिकायत में यह भी बताया गया है कि घटना के समय अस्पताल का अन्य स्टाफ भी मौके पर मौजूद था जिनके सामने आरोपी ने गाली-गलौच की। पूरी घटना अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है जिसकी फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराई गई है पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी विवेक पांडे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 296(बी), 115(2) और 351 (3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नवागत कलेक्टर ने किया पदभार ग्रहण

मण्डला।

नवागत कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने 11 अप्रैल को कलेक्टर मण्डला के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। निवर्तमान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने उन्हें विधिवत रूप से कलेक्टर मण्डला का प्रभार सौंपा। नवागत कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2017 बैच के अधिकारी हैं। इसके पूर्व मध्यप्रदेश शासन के नर्मदा घाटी विकास विभाग में उपसचिव के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे।

साथ ही उनके पास जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त प्रभार की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला कोषालय अधिकारी अखिलेश नेटी उपस्थित थे।

ज्ञानदीप परिवार ने कलेक्टर को दी विदाई

मण्डला।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नर्मदापुरम स्थानांतरण पर ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल परिवार द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन शिक्षक शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं तथा शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने समारोह को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत कलेक्टर के स्वागत से की गई। विद्यालय पहुंचने

पर ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके पश्चात स्कूली छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक स्टाफ ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर पुष्प वर्षा के साथ उनका आत्मीय अभिनंदन किया। मंचासीन होने के बाद सरस्वती पूजन के साथ विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन की ओर से सेक्रेटरी संजय तिवारी, उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल, अजय खोत, मनोज फागवानी, संजय शर्मा, प्रसन्न सराफ, प्राचार्य दिनेश दुबे सहित विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने कलेक्टर का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में बच्चों के हित को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि शिक्षा के विकास के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं उन्होंने विद्यालय परिवार के स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंडला की यादें उनके लिए सदैव विशेष रहेंगी। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता नेहा मिश्रा ने प्रभावी ढंग से किया अंत में प्राचार्य दिनेश दुबे द्वारा सभी अतिथियों एवं कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

फुटबॉल टीम इंदौर के लिए रवाना

मण्डला। मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के द्वारा अंडर-20 डीएफए बालक राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगता आज से 17 अप्रैल तक इंदौर जिले में आयोजित होगी। फुटबॉल कोच पंकज उसराठे ने बताया कि इस प्रतियोगता में मध्यप्रदेश के 16 जिले की टीम मंडला, बालाघाट ,छिंदवाड़ा, इंदौर, जबलपुर, भोपाल, सिंगरौली, बैतूल, रायसेन, सिहोर, शहडोल, नर्मदापुरम, देवास, शिवपुरी, ग्वालियर जिले की टीम भाग ले रही है मंडला अंडर-20 डीएफए की चयन ट्रायल 30 मार्च को महात्मा गांधी स्टेडियम में लिया गया। जिसमे जिले के सभी विकासखंडों के 80 खिलाडिय़ों ने ट्रायल दिया जिसमे अंडर-20

डीएफए टीम के 18 खिलाडिय़ों का चयन किया गया टीम के खिलाड़ी भुवनेश कुलस्ते, दिलीप मरावी, शिवम धुर्वे, अरुण मरावी, यावेश संत, अजय मरावी, नागेश्वर धुर्वे, प्रिंस उइके, रोहित कुमार, अजीत कुमार, प्रदीप मार्को, डेनिश भावेदी, अशोक उइके, शिवराज यादव, मनीष धुर्वे एम, सूर्यांश चौरसिया टीम से भाग लेगे मंडला अंडर-20 डीएफए टीम का पहला मैच डीएफए शहडोल बीच 12 अप्रैल को इंदौर के नेहरू स्टेडियम मैं खेला जायेगा। जिला फुटबाल संघ अध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा, जिला खेल अधिकारी विकास खराडकर, संघ उपाध्यक्ष अनिल सोनी, भीष्म द्विवेदी, संघ सदस्य राजेश पाठक,अनूप वासल, सत्यनारायण अग्रवाल, पप्पू शर्मा,सुनील सराफ, चंद्रेश खरे, वेद प्रकाश कुलस्ते गोल्डी, राम कृष्ण सेवाश्रम के स्वामी शारदामानन्द, दिग्विजय सिंह,,मतीन खान, अभिनव जैन, आकाश खत्री, सोना दुबे, त्रिलोक डोगरे,जावेद ख़ान,समीर बाजपेई, पवन नंदा, बिलाल ख़ान,अभिषेक यादव, मुजवी हसन, देवेंद्र सरोते, राजीव धुर्वे, कुशल भवेदी सहित नगर के सभी खेल प्रेमियों ने भविष्य में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी ।

जंगल में खेल रहे थे जुआ, 14 आरोपी धराए

मण्डला। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में अवैध जुआ सट्टा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बम्हनी पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई 10 अप्रैल को मुखबिर सूचना प्राप्त होने पर एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के नेतृत्व में नैनपुर अनुभाग की टीम द्वारा ग्राम भवरताल के जंगल में दबिश दी गई। मौके पर कुछ व्यक्ति ताश पत्तों पर रुपए पैसों का दांव लगाकर जुआ खेलते पाए गए। पुलिस द्वारा घेराबंदी कर कुल 14 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया कार्यवाही के दौरान आरोपियों के कब्जे से नगदी वाहन मोबाइल एवं अन्य सामग्री जप्त की गई आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट एवं 112(1) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है उक्त उत्कृष्ट कार्यवाही के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम को अपराध नियंत्रण में सराहनीय कार्य करने पर दस हजार रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया है। यहां पर बलराम यादव कातामाल, गोलूराम मरावी कातामाल, दुर्गेश साहू सोनी मोहल्ला बम्हनी, शशांक जंघेला बम्हनी, सचिन तिलाशय परसवाडा बालाघाट, सुरेश झारिया बिंझिया, सुरेश कुमार भाण्डे कातामाल,भरत चक्रवर्ती ठरका, घनश्याम हिरवानी परसवाडा बालाघाट, विनोद साहू चंदना बालाघाट, तुलसीराम ब्रम्हे परसवाडा बालाघाट, अंकुर झारिया अंजनिया, रज्जन बरमन पुरवा महाराजपुर, विष्णु वैध सुकड़ी बालाघाट, आरोपियों

को विधिवत गिरफ्तारी का कारण बताकर उनके परिजनों को सूचना दी गई तथा उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जप्त सामग्री नगदी राशि 2,33,200/ 16 मोबाइल फोन, 1 बोलेरो वाहन, 4 मोटरसाइकिल, 1 स्कूटी,15 गड्डी ताश पत्ते, रंग-बिरंगी दरी कुल जप्त सामान लगभग 11,50,000 पुलिस टीम एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में उनि पुनीत वाजपेयी, प्र.आर. केएम मरावी, जयप्रकाश सिंगौर, आर.अखिलेश सचान, ओ.पी. बघेल, सुरेन्द्र धुर्वे, सुरेश भटेरे शामिल रहे।

अधिकारी कर्मचारियों की बैठक

मण्डला। नवागत कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने गोलमेज कक्ष में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की औपचारिक बैठक ली। उन्होंने सभी से परिचय लेते हुए उनके कामकाज के विषय में जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि कलेक्ट्रेट की सभी शाखाएं शत-प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली अपनाएं, इस पर विशेष ध्यान दें। सभी लोग टीम के रूप में कार्य करें। जो शाखाएं अभी ई-ऑफिस प्रणाली से पूरी तरह नहीं जुड़ी हैं उन्हें शीघ्र ई-ऑफिस प्रणाली अपनानी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम सभी जनसेवक हैं इसलिए आवश्यक है कि सभी अधिकारी जनता के कार्यों को प्राथमिकता दें।

पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ

मण्डला। *ग्राम पंचायत भावल के आंगनवाड़ी केंद्र में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सरपंच नोहर मरावी द्वारा सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वहीं ग्राम पंचायत मैली के आंगनवाड़ी केंद्र में पंच श्रीमती रामवती वंशकार द्वारा सरस्वती पूजन संपन्न हुआ कार्यक्रम के दौरान ग्राम में जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें ग्रामीणों को 15 दिवसीय पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया। रैली के माध्यम से संतुलित आहार, स्वच्छता एवं बच्चों के समुचित पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।*

पिंडरई में प्याऊ की स्थापना

मण्डला। मध्यप्रदेश शासन की महत्त्वाकांक्षी योजना जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नव भक्ति सुरक्षित जल-समृद्ध कल पहल को आगे बढ़ाते हुए पिंडरई सेक्टर के छात्रों ने सराहनीय कदम उठाया। मप्र जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में नैनपुर विकासखंड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में राहगीरों की सुविधा के लिए जल मंदिर प्याऊ स्थापित किए जा रहे हैं इसी क्रम में सेक्टर-2 पिंडरई की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सहयोग से 9 अप्रैल को ग्राम पंचायत पिंडरई के बस स्टैंड चौराहे पर जल मंदिर प्याऊ की स्थापना की गई।

खबर संक्षेप

अतिक्रमण हटाने में नाकाम साबित हो रहा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। वर्तमान में शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र पलोटन गंज, राठी तिराहे, शासकीय शालाओं के इर्द गिर्द शुक्रवार बाजार, मंदिरो, मस्जिदो के सामने पसरे अतिक्रमण से जहां शहर को सौन्दर्यीकरण खतरे में पड़ गया है। वही शहर में चौतरफा हुए अतिक्रमण से राहगीरो, वाहन चालकों का सड़को से गुजरना दूभर होता जा रहा है। गौरतलब है कि नगर में इस समय नजूल, नपा.लोक निर्माण विभाग द्वारा अपनी बेश कीमती भूमि की परवाह न करने से अतिक्रमणकारियो के हौसले बुलन्द हो गए है, जिसके चलते सड़कों के किनारो, चौराहो के नजदीक शासकीय भूमि का दुरूपयोग करते हुए अतिक्रमणकारी ठेले रख रहे है। वही देखा जा रहा है कि नगर में जहां तहां खाली पड़ी शासकीय भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम कालोनियों का निर्माण किया जा रहा है? जिससे नगर का स्वरूप बिगाड़नें का प्रयास कर रहे है, इस बेजा हो रहे अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था तो चौपट हो ही रही है साथ ही शहर में जहां तहां जाम लगने, दुर्घटनाएँ होने के अंदेशा सदा बना रहता है। विदित हो कि शहर के प्रमुख बाजार में जहां अनेक व्यापारी आधी सड़क पर कब्जा जमा अपनी दुकानो का सामान प्रदार्शित करते है तथा झंडाचौक पर मनमर्जी से दुकानें लगाने से शाम के समय सड़को से निकलना मुश्किल हो जाता है। इसी तरह शैक्षणिक संस्थाओं के इर्द गिर्द अतिक्रमणो की बाढ़ आने से शालाओं में पहुँचने वाले बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ज्ञातव्य है कि बैंकों, सब्जी बाजार, अनेक शासकीय कार्यालयो में वैसे भी पार्किंग व्यवस्था का अभाव है तो दूसरी ऊपर से नगर में अतिक्रमण की अमरबेल फैलती चले जाने से विकसित हो रहे नगर की ट्रेफिक व्यवस्था पंगु होती जा रही है। शहरवासियो का कहना है कि शहर में धड़ल्ले से चहुँओंर अतिक्रमण होने से गाडरवारा की पहचान मुश्किल भरे शहर के रूप में बनती जा रही है और बेतरतीब बसाहट, ठेले, ठिलियो का जाल फैलने से नगर की सुंदरता को ग्रहण लगने लगा है, बेबाक लहजे में कुछ लोगो का कहना है कि वास्तव में अतिक्रमण फैलाने की बीमारी राजनीतिक पहुँच वाले असरदारों की देन है? इसलिए जब भी प्रशासन कोई अतिक्रमण विरोधी मुहिम शुरू करता है वे उसके सुर में सुर मिलाकर अपना अतिक्रमण हटाने की बजाय शासकीय भूमि पर टपारिया बनाकर रहने वालो व चाय पान का ठेला लगा अपनी जीविका चलाने वाले नौजवानो का बालि का बकरा बना देते है। इन लग्जरी रंगी बिरंगी कार मेनो की इस तिकडम का नतीजा है कि नगर अतिक्रमण मुक्त नहीं हो पा रहा है और शहर में खुलेपन का माहौल नही बन पा रहा है, प्रशासन, नपा. से शहर के निवासियो ने गुहार लगायी है कि वह शहर को अतिक्रमण के जंजाल से मुक्त करने की दिशा में पहल करें।

बिजली विभाग की उदासीनता से पड़ सकती हो लोगों की जिन्दगी खतरे में

हरिभूमि न्यूज/चीचली। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाने के बाद अधिकारियों द्वारा घटित होने वाली घटना की सच्चाई छिपाने के लिये अनेक प्रकार के बहाने बनाने से नही चूकते है मगर यदि समय रहते हुये सचेत होकर स्थिति में सुधार किया जावे तो निश्चित तौर इस प्रकार की घटनाओं को घटित होने से रोका भी जा सकता है? क्योंकि सच्चाई से अवगत होने के बाद भी उदासीन कार्य प्रणाली का परिणाम ही होता है कि बड़ी घटनाएं जन्म लेने से नही चूकती है कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली के कुछ वार्डो में देखने मिल रही है जहां पर लगे हुये वर्षो पुराने बिजली के लोहे खम्बे इस स्थिति में पहुंच चुके है कि वह अपने जमीनी स्तर के भाग से पूर्णरूप से टूटने की कगार पर पहुंच जाने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि यदि जंग के शिकार हुये इस खम्बों पर जिस प्रकार से बिजली विभाग द्वारा विद्युत लाईन का संचालन किया जा रहा है वह किसी दिन गिरने के कारण आसपास रहने वाले लोगों की जिन्दगी के लिये बड़ा खतरा का कारण बन सकते है।

करोड़ो की लागत से बनी भौरझिर - खुलरी सिहोरा रोड़ चंद सालों में दिखाने लगी गुणवत्ता की सच्चाई, जिम्मेदारों की चुप्पी गफलबाजी करने वालों संरक्षण की मुद्रा में ही रही प्रतीत..?

हरिभूमि न्यूज/खुलरी।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब क्षेत्र में किसी बड़ी सौगात मिलती है तो जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की मेहनत का ही परिणाम होता है। मगर जब उस सौगात का निर्माण कार्य होने के दौरान उसमे गुणवत्ता को दर किनार करते हुये गफलबाजी की जाने के दौरान जिम्मेदारों की चुप्पी निश्चित तौर से उसके द्वारा की गई सारी मेहनत पर पानी फिरने में देर नही लगाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय करोड़ो की लागत से चंद वर्ष पहले निर्मित हुई क्षेत्र के लिंगा से कुसमी सगौरिया होते हुये भौरझिर, खुलरी से सिहोरा सीमेन्ट सड़क के निर्माण कार्य के दौरान जो सच्चाई देखने मिली है उसके चलते जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा गफलत बाजी बरती गई है उसका हाल ऐसा बनते हुये देखा जा रहा है कि सही मायाने में देखा जावे तो अभी तक इस सीमेन्ट सड़क का कार्य पूरा भी नही हो पाया था और सड़क पर जहां तहां से निकल रही दरारो के साथ साथ टूटती हुई सड़क अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को खुद ही उजागर करने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर जिम्मेदारों की चुप्पी निश्चित तौर से गफलतबाजी करने वालों को संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक रही है..? बताया जाता है कि करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क की जब क्षेत्रवासियों के लिये सौगात मिली थी तो निश्चित तौर से क्षेत्र के लोग फूले नही समा रहे थें कि अब क्षेत्रवासियों को लम्बे समय तक सड़क की परेशानी से निजात मिल जाबेगी। मगर यह सोच क्षेत्र के लोगों के लिये एक सपना ही साबित होने से नही चूक पाई तथा हाल ही में निर्मित हुई सड़क जिस प्रकार से जहां तहां से टूटते हुये अपनी गुणवत्ता कहानी बता रही है । इस सच्चाई को लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई जांच न होना निश्चित तौर से इस बात का संकेत देते हुये जान पड़ रहा है कि शायद अब इस गफलत बाजी के खेल में अधिकारियों से लेकर जिम्मेदारों की भी भागीदारी हो चुकी है? क्योंकि जिस तरह करोड़ो की राशि से बनाई गई इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण के दौरान निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस गुणवत्ता का अपनाते हुये कार्य शुरू किया गया तो शुरूआती तौर से ही मीडिया द्वारा आवाज उठाना शुरू कर दिया गया था। मगर इसके बाद भी ध्यान नही जिये जाने का परिणाम है कि करोड़ो की लागत से बनी यह सड़क गफलतबाजी की भेंट चढ़ने से नही चूक पाई है। इस ओर किसी भी तरह से न तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया गया था और न ही क्षेत्र के जिम्मेदारों द्वारा जिसका परिणाम इस तरह से देखने मिला कि इस सीमेन्ट सड़क का निर्माण होते ही जहां जहां से सड़क को टूटते हुये देखे जाने के कारण उसकी गुणवत्ता उजागर होने लगी है। इस प्रकार से हाल ही में निर्मित हुई इस सीमेन्ट सड़क के जहां तहां से टूटने की सच्चाई को लेकर हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से उजागर करते हुये जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाते हुये सड़क निर्माण के गुणवत्ता की सच्चाई को उजागर किया गया था। मगर शायद उनके द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का कोई ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि अब निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा अपनी सच्चाई को छुपाने की सोच रखते हुये आये दिन सड़क पर निकल रही दरारों की लीपा पोती करते हुये देखा जा रहा है? तो दूसरी ओर सड़क को लेकर हैरत की बात यह देखने मिल रही है कि इस तरह करोड़ो की राशि से निर्मित होने जा रही इस सीमेन्ट सड़क जिस प्रकार से अपने निर्माण के चंद दिवस के उपरांत यानि की अभी निर्माण कार्य सही रूप से पूर्ण भी नही हो पाया और सड़क का जहां तहां से टूटना शुरू हो चुका है उसको लेकर न तो संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर हर बात की गारंटी का भरोसा दिलाने वाले पेहरेदारों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसके चलते निश्चित तौर से क्षेत्र के लिये मिली करोडो की सौगात गफलतबाजी के भेंट चढ़े जाने के बाद भी आज तक किसी अधिकारी द्वारा इसकी जांच करना भी उचित नही समझा गया है और परिणाम है कि सड़क लगाता टूटते चली जा रही है। बताया जाता है की सड़क के बीचों बीच निकल रही दरारो के बीच मे जहां झाडियाँ पैदा होते हुये दिखाई देने लगी है। वही दूसरी ओर सड़क के बीचों बीच निकल रही इन दरारों में आये दिन दो पहिया वाहन दुर्घटना का शिकार होते हुये देखे जाना आमबात होने लगी है। इस तरह क्षेत्र के विकास के नाम पर अधिकारियों की अनदेखी के चलते शासकीय धन की होली खेली गई है उसको लेकर हर भरोसे की गारंटी देने वाले पेहरेदारों से लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक सबालों को जन्म देने से नही चूक रही है..?

मांस मछली के अवैध कारोबार के चलते नगर में फैल रही गंदगी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भले ही नगर पालिका द्वारा मांस मछली विक्रय करने के लिये जगह निर्धारित की गई है, मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा नगर में जहां तहां खुलेआम मांस मछली का विक्रय करते हुये देखा जा रहा है जिसके चलते नगर का वातावरण तो प्रदूषित हो ही रहा है साथ ही साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेंस पहुंचने से नही चूक रही है? इस प्रकार से मांस मछली विक्रय करने वालो की मनमानी पर अंकुश न लग पाना नपा प्रशासन की उदासीन कार्य प्रणाली सहित पुलिस प्रशासन की उदासीनता को भी उजागार करने से नही चूक रही है? जिसके चलते इस प्रकार से नगर में धडल्ले से जहां तहां हो रहे मांस मछली के विक्रय से नगर में गंदगी फैलने के साथ साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचने से भी नही चूक रही है? क्योंकि इस प्रकार से मांस मछली सहित अंडे का व्यापार करने वाले लोगों द्वारा न तो नगर के मंदिरों का ध्यान रखा जा रहा है और न ही शिक्षण संस्थाओं का जिसके चलते लोगों में इस प्रकार से खुलेआम बिक रहे मांस मछली के विक्रय को लेकर आक्रोश देखने मिल रहा है? इस प्रकार से धडल्ले से विक्रय होने वाले मांस मछली की सच्चाई इस समय नगर की पानी टंकी सहित सहित अन्य स्थानों पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि पानी टंकी के पास जहां नगर का एक मात्र गायत्री मंदिर स्थित है वही हनुमान मंदिर के साथ साथ शिक्षण संस्था भी स्थापित है। मगर इसके बाद भी यहां पर प्रतिदिन शाम के वक्त जहां खुलेआम मछली विक्रय होते हुये देखी जा रही है वही अनेक मांस की दुकाने भी संचालित हो रही है, इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो उसे सबसे पहले इस प्रकार से विक्रय होने वाली मांस व मछली पर नजर पड़ते हुये उसकी धार्मिक भावना को ठेस पहुंच रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई स्कूली बच्चों में भी देखने मिल रही है जिन्हें इस प्रकार खुलेआम विक्रय होने वाले मांस व मछली के चलते घृडा का शिकार होते हुये देखा जाता है, कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के पलोटन गंज जाने वाले मार्ग पर देखी जा रही है जहां हनुमान मंदिर व आचार्य मंदिर से चंद कदम दूरी पर खुलेआम बिरयानी विक्रय का वोर्ड अपनी शोभा बढ़ाने से नही चूक रहा है, यही हाल नगर के अन्य स्थानों पर भी देखने मिल रहा है? इस प्रकार से निर्धारित स्थल के जगह नगर के प्रमुख व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय को लेकर न तो प्रशासन द्वारा कोई कदम उठाया जा रहा है और नही नपा प्रशासन द्वारा जिसके चलते नगर में खुलेआम गंदगी का महौल निर्मित होने से नही चूक पा रहा है, इस प्रकार से नगर की गलियों व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय पर अंकुश लगाने की मांग की जा रही है।

जल-गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना के साथ जल संवाद चौपाल कार्यक्रम हुआ आयोजित

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संचालित जल-गंगा संवर्धन अभियान 2026 के द्वितीय चरण अंतर्गत नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया के तत्वाधान में सेक्टर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सहावन द्वारा जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु एक सराहनीय पहल की गई। इस अवसर पर ग्राम में जल मंदिर (प्याऊ) की स्थापना के साथ साथ लोगों को जागरूक करने की सोच के तहत जल संवाद जन चौपाल का आयोजन एवं जल संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प लिया गया।भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए आमजन, राहगीरों एवं ग्रामीणों को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित यह जल मंदिर (प्याऊ) जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। इस पहल से न केवल लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि समाज में परोपकार एवं सहयोग की भावना भी सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत बाबई-चीचली की अध्यक्ष श्रीमती राधा बाई कमलेश अहिरवार एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों व नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। आयोजित जल संवाद चौपाल में जल संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि "जल ही जीवन का आधार है" और वर्तमान समय में बढ़ता जल संकट हम सभी के लिए गंभीर चुनौती है, जिससे निपटने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक सुश्री स्मिता दांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि "जल-गंगा संवर्धन अभियान" के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से अपेक्षा जताई है कि वे जल का सदुपयोग करें तथा वर्षा जल संचयन जैसी गतिविधियों को अपनाकर जल बचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।हरदौल जन सेवा समिति के सचिव रामेश्वर वर्मा ने बताया कि परिषद द्वारा प्रदेश के ग्राम-ग्राम में जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु विविध गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सहावन द्वारा जल मंदिर की स्थापना भी इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो समाज में सेवा भावना को प्रोत्साहित करेगा।कार्यक्रम में नवांकुर संस्था के सदस्य रामकृष्ण राजपूत, स्वप्निल बड़ारया, परामर्शदाता पुखराज राजपूत, राधा कीर, ऋषभ कौरव, कमलेश अहिरवार सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नर्मदा जलापूर्ति के लिये गांव गांव खोदी गई सड़कों को लेकर आमजन हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

सरकार की योजना लोगों के घरों तक नर्मदा जल पहुंचाने को लेकर किया जा रहा है निर्माण कार्य निश्चित तौर से जहां आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बन रहा है तो दूसरी ओर लगातार शासकीय संपत्ति को क्षति पहुंचाने से भी नही चूक रहा है? सही मायने में देखा जावे तो जिस तरह सरकार द्वारा नर्मदा जल लोगों के घरों तक उसे घरेलू उपयोग में लाने का प्रयास किया जा रहा है उससे आमजन के दिलों की धार्मिक भावना को ठेंस पहुंचने से इसलिये नही चूक पा रही है। क्योंकि मॉ नर्मदा जी का जल सिर्फ आचमन करने से मानव जीवन धन्य हो जाता है और इसी के चलते इस पवित्र जल को लेकर अपने घरों में पूजन के लिये उपयोग करते है। मगर सरकार की इस योजना से जहां लोगों के घरों में इसकी जलापूर्ति करते हुये उसे सभी कार्यो में उपयोग करने की जो योजना बनाई जा रही है उसके चलते निश्चित तौर से लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंझ पहुंचने से नही चूक पायेगी? वही दूसरी जिस तरह नर्मदा जलापूर्ति के लिये शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पाईप लाईन बिछाने के लिये निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा लाखों रूपया की लागत से बनी हुई नवनिर्मित शासकीय सड़को की खुदाई करते हुये शासन की संपत्ति को क्षति पहुंचाई जा रही है। वह निश्चित ही अनेक सबालों को जन्म देने के साथ साथ आम लोगों के लिये परेशानी का कारण साबित होते हुये देखने मिल रही है..? बताया जाता है कि नियम के अनुसार जब किसी पाईप या फिर अन्य कार्य का विस्तार किया जाता है तो उसे सड़क किनारे से खुदाई करते हुये जमीन के अंदर डाला जाता है जिसके चलते यदि बाद में जब कोई गड़बड़ी पैदा हो तो उसका सुधार कार्य किया जा सके शहर या फिर गांव के अंदर सड़क किनारे खुदाई का कार्य मजदूरों के माध्यम से कराया जाता है। मगर निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा अपने स्वार्थ तथा मजदूरों में खर्च होने वाल राशि को बचाने की सोच रखते हुये शहरों के अंदर मशीनों के माध्यम से लाखों रूपया की लागत से बनाई गई पक्की सड़को को बीचों बीच खोदते हुये उन्हें क्षति पहुंचाते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि मशीन के माध्यम से सड़क के किनारे खुदाई हो पाना जहां असंभव होता है और यदि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वार मजदूरों के माध्यम से खुदाई कराती है तो उसमें समय तथा लागत अधिक लगेगी? इसी के चलते पक्की सड़क जर्जर होने से नही बच पा रही है तो दूसरी ओर इन सड़कों को शहर के अंदर खोदकर महीनों तक इसी तरह छोड़ देने के कारण लोगों को अपने घरों तक वाहन ले जाना मुश्किल होते हुये देखा जा रहा है। इस बात की सच्चाई नगर सहित आस पास के गांवों में देखने मिल सकती है जहां पर पाईप लाइन डालने के लिये कई दिनों पहले मुख्य सड़को के किनारे खुदाई करते हुये छोड़ देने के कारण हालत यहां पर इस तरह बने हुये है कि लोग अपने बड़े वाहन तो दूर छोटे वाहन तक अपने घरों तक ले जाने में परेशान होते हुये देखे जा रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि यदि इस स्थिति में किसी के घर कोई गंभीर स्थिति पैदा होती है तो उसके घर तक शासन की एम्बुलेंस पहुंचने की कल्पना करना निश्चित तौर से बेमानी साबित होने से नही चूक पायेगी और बीमार होने वाले व्यक्ति का भगवान ही मालिक हो सकता है? इस तरह शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जहां तहां खुदी पड़ी हुई सड़क के चलते आये दिन मासूम बच्चों को यहां पर गिरकर घायल होना आम बात बन चुकी है।

सेक्टर तेंदूखेड़ा के ग्राम सूखाखैरी मेंजल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के तहत सोकपिट का किया निर्माण

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस तरह जल को बर्बाद होते हुये देखा जा रहा है यदि इसकी बर्बादी इसी तरह होती रही तो निश्चित तौर से वह दिन दूर नही जब लोग एक एक बूंद के लिये युद्व करते हुये देखे जावगे..? जल का संरक्षण व सदउपयोग के लिये लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। क्योंकि सरकार द्वारा हर साल मुहिम चलाते हुये जल संरक्षण के लिये जागरूक किया जाता है। मगर इसके बाद भी आये दिन जहां तहां जल की बर्बादी के नजरे देखने मिलना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहे है। इस वर्ष भी लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इसी के चलते जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा जल का संचयन करने के लिए विकास खंड चीचली के ग्राम सूखाखैरी में सोकपिट का निर्माण किया गया। बताया जाता है कि बनाये गये इन सोकपिट में वर्षा जल को भूमिगत किया जाएगा, जिससे जल स्तर में बढ़ोत्तरी होगी। यह कार्य जल संचय के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर ग्राम में पौधरोपण किया गया। गर्मी के मौसम में राहगीरों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल सहजता से उपलब्ध हो सके, इसके लिए जल मंदिर-प्याऊ का भी शुभारंभ भी किया गया। इस अभियान के तहत जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्य म.प्र.जनअभियान परिषद की विकासखंड चीचली

के अंतर्गत सेक्टर तेंदूखेड़ा की नवांकुर संस्था भीष्म शिक्षा समिति सूखाखैरी द्वारा किया गया। इस दौरान म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा, विकास खंड समन्वयक चीचली सुश्री स्मिता दांडे, ब्रजराज कौरव (नवांकुर संस्था भीष्म शिक्षा समिति सूखाखैरी), कुलदीप कौरव (समन्वयक नवांकुर संस्था भीष्म शिक्षा समिति सूखाखैरी) , राकेश पाली ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रातीकरार , अभिषेक कौरव परामर्शदाता, पुखराज राजपूत परामर्शदाता, राधा कीर परामर्शदाता, स्वप्निल बड़ारया ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चीचली, पार्वती गौड़ (BSW छात्रा) प्रदीप मेहरा , शिवम कौरव , संदीप विश्वकर्मा, शिवम ठाकुर , राजेन्द्र , रविन्द्र स्थापक, रिषभ कौरव (इंटर्न) सहित सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के परामर्शदाता एवं समितियों के पदाधिकारी व सदस्य और अन्य नागरिक मौजूद थे।

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक
DPIS
प्रवेश प्रारंभ
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob. : 903 9230 199, 722 4021 199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

टीबी हारेगा, देश जीतेगा

राजेन्द्रग्राम। 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान के तहत अनूपपुर जिले के ग्राम फरहदा एवं बरांझ, ब्लॉक पुष्पराजगढ़ में क्षय रोग जागरूकता संगोष्ठी बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनसमुदाय में टीबी (क्षय रोग) के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच एवं उपचार के प्रति लोगों को प्रेरित कर त्वरित इलाज प्रारंभ कराना है। भारत सरकार द्वारा 100 दिवसीय सघन टीबी उन्मूलन अभियान विश्व क्षय दिवस 24 मार्च से चलाया जा रहा है, जो आगामी 100 दिन तक जारी रहेगा। संगोष्ठी में ग्रामीणों को संदेश दिया गया कि यदि गाँव में कोई भी टीबी का मरीज है तो उसे समुदाय का पूर्ण सहयोग मिलना चाहिए, न कि उससे दूरी या भेदभाव किया जाए। समुदाय जितना जागरूक और सशक्त होगा, पंचायत उतनी ही जल्दी टीबी मुक्त बन सकेगी। इस अवसर पर एसटीएस देवेंद्र जायसवाल ने टीबी के प्रमुख लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि लगातार दो सप्ताह से अधिक खांसी आना, तेजी से वजन कम होना, सीने में दर्द, भूख न लगना तथा शाम के समय हल्का बुखार आना टीबी के संकेत हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि टीबी की समस्त जांच एवं उपचार पूर्णतः निःशुल्क है। साथ ही निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत उपचाररत प्रत्येक मरीज को पोषण सहायता के रूप में '1000 रुपये प्रतिमाह' सीधे बैंक खाते में दिए जाते हैं। टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं है। समय पर जांच और दवा का पूरा कोर्स ही इसका समाधान है। 100 दिवसीय अभियान का लक्ष्य हर संभावित मरीज तक पहुंचना है। इसमें जनभागीदारी सबसे जरूरी है। अनूपपुर को टीबी मुक्त बनाने के लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा।

अमरकंटक पुलिस ने नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

अमरकंटक। थाना अमरकंटक पुलिस ने "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत सराहनीय कार्य करते हुए एक नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी राम सजीवन अगाह्रा द्वारा अपनी नाबालिग बालिका के गुम होने की रिपोर्ट 7 मार्च 2026 को थाना अमरकंटक में दर्ज कराई गई थी। प्रकरण में बालिका के नाबालिग होने के कारण थाना अमरकंटक में अपराध क्रमांक 41/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला कायम किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना अमरकंटक पुलिस टीम ने सतत प्रयास करते हुए सिंगरौली पहुंचकर 9 अप्रैल को "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बालिका को उसके परिजनों को सौंप दिया गया। यह पूरी कार्यवाही पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन मुस्कान" के अंतर्गत, अनूपपुर जिले के पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पुष्पराजगढ़ नवीन तिवारी के निर्देशन तथा थाना प्रभारी नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव, महिला आरक्षक खुशबू डाबर एवं आरक्षक रघुराज सिंह द्वारा यह सफलता हासिल की गई।

अक्षय तृतीया पर बन रहे दुर्लभ योग, शुभ कार्यों के लिए अत्यंत मंगलकारी-पंडित संदीप ज्योतिषी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। सनातन संस्कृति में कुछ तिथियां केवल पंचांग की गणना नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले दिव्य संदेशों की वाहक होती हैं। ऐसी ही एक पावन एवं पुण्यदायिनी तिथि है अक्षय तृतीया, जिसे लोक में आखातीज अथवा अक्ति के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन बिना किसी विशेष मुहूर्त विचार के विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, यज्ञोपवीत जैसे मांगलिक कार्य संपन्न किए जा सकते हैं। प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार, इस दिन किया गया जप, तप, दान एवं पूजन अक्षय फल प्रदान करता है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला यह पर्व आध्यात्मिक उन्नति, धर्म सेवा और सत्कर्मों की अनवरत परंपरा का प्रतीक है, जो मानव जीवन को सदैव पुण्यपथ की ओर अग्रसर करता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यह तिथि कालचक्र के महत्वपूर्ण परिवर्तन की साक्षी रही है। इसी दिन सतयुग का समापन और त्रेतायुग का शुभारंभ हुआ था। भगवान विष्णु के छठे अवतार, शस्त्र एवं शास्त्र के प्रकाण्ड ज्ञाता भगवान परशुराम का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ। इसी पावन दिवस पर राजा भगीरथ की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुईं, जिससे समस्त प्राणियों का उद्धार हुआ।

दशगात्र भोज बना बीमारियों का कारण ग्रामीण फूड पॉइजनिंग से प्रभावित

डिंडौरी। विकासखंड मेंहदवानी के ग्राम पंचायत झामझोला में आयोजित दशगात्र कार्यक्रम उस समय अफरा.तफरी में बदल गयाए जब भोजन करने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण अचानक बीमार पड़ गए। जानकारी मिलते ही कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रशासनिक और स्वास्थ्य अमले को मौके पर रवाना किया।कलेक्टर के निर्देश पर एडीएमए एसडीएम तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव पहुंचकर बीमार लोगों को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पतालए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदवानी और मोहगांव में भर्ती कराया। सभी मरीजों का इलाज जारी है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार 10 अप्रैल 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल करीब 78 लोग भोजन के बाद फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज पाण्डे के नेतृत्व में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ममता दीवानए जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ अमित जैन और बीएमओ मेंहदवानी डॉ रनमत सिंह परस्ते की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए प्रशासन ने गांव में अस्थायी स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया है और स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक सभी मरीजों की स्थिति अब सामान्य है और संभावना है कि सभी को कल तक अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

अमरपुर में जनगणना 2027 के मकान नंबरिंग हेतु प्रशिक्षण आयोजित

डिंडौरी। विकासखंड अमरपुर में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकान नंबरिंग के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 11 अप्रैल 2026 को कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया डिंडोरी के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय जनगणना अधिकारी श्री रामबाबू देवांगन के निर्देशन में संपन्न हुआ।जनपद पंचायत अमरपुर के सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत सचिव रोजगार सहायक और मोबालाइजर को जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में भवन जनगणना मकान और परिवार की पहचान कर उनकी नंबरिंग करने के तरीके समझाए गए।कार्यक्रम में जनगणना 2027 का प्रारंभिक परिचय भी दिया गया और पीपीटी के माध्यम से मकान सूचीकरण की प्रक्रिया को सरल रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण सत्र का संचालन अनुविभागीय जनगणना अधिकारी श्री रामबाबू देवांगन द्वारा किया गया।इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकेश नारनौरे नायब तहसीलदार अमरपुर सुश्री सुरभि तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत शहपुरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिंडोरी । जिले में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन और जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री श्याम सिंगौर के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति के अंतर्गत सामुदायिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन स्टॉप सेंटर डिंडोरी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विकासखंड शहपुरा के शहरी क्षेत्र में संपन्न हुआ।कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना कार्यालय शहपुरा के अंतर्गत सेक्टर शहपुरा के वार्ड क्रमांक 02 और आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 09 में आयोजित किया गया। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बालिकाएं महिलाएं और स्थानीय लोग शामिल हुए।वन स्टॉप सेंटर की परामर्शदाता श्रीमती निकिता मरकाम ने उपस्थित लोगों को मिशन शक्ति के तहत संचालित योजनाओं संबल और सामर्थ्य की जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के उद्देश्य बताते हुए बाल विवाह के सामाजिक स्वास्थ्य और कानूनी दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला और इसे दंडनीय अपराध बताया।कार्यक्रम में केस वर्कर श्रीमती समरतो सरोते ने वन स्टॉप सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं के साथ महिला हेल्पलाइन नंबर 181 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 और वन स्टॉप सेंटर हेल्पलाइन नंबर 7828195167 की जानकारी दी ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता मिल सके।कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं और बालिकाओं को बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ जागरूक रहने और इसके उन्मूलन में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दिलाया गया।इस दौरान महिला एवं बाल विकास परियोजना शहपुरा की शहरी क्षेत्र पर्यवेक्षक श्रीमती प्रतिभा साहू और ग्रामीण क्षेत्र पर्यवेक्षक श्रीमती कंचन तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

औरई पंचायत में कलेक्टर का औचक निरीक्षण जनभागीदारी से जल संरक्षण कार्यों पर जोर

डिंडौरी। जिले में जल संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान और जल संचय जनभागीदारी अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जनपद डिंडोरी की ग्राम पंचायत औरई का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के घरों में जनभागीदारी से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग और शोक पिट निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के समय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी परियोजना अधिकारी मनरेगा प्रदीप कुमार शुक्ला सहायक यंत्री उपयंत्री सहित ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव मौजूद रहे।कलेक्टर ने पंचायत भवन एकीकृत माध्यमिक शाला औरई और प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही जागेश्वर के यहां निर्माणाधीन रूफ वाटर हार्वेस्टिंग कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने सचिव और उपयंत्री को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की प्रगति और फोटो जल संचय जनभागीदारी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाएं।विद्यालय निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा एक के बच्चों से संवाद कर मध्याह्न भोजन और पढ़ाई की जानकारी ली। इस दौरान छात्रा यशोदा ने अंग्रेजी पाठ और बारहखड़ी सुनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कलेक्टर ने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण करते हुए निर्धारित समय पर मेन्यू के अनुसार भोजन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल संरक्षण से जुड़े सभी कार्यों में जनसहभागिता बढ़ाई जाए और समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

गेहूं उपार्जन की तैयारियां तेज सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

डिंडोरी ।

जिले में प्रारंभ होने वाले गेहूं उपार्जन कार्य को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए कलेक्टर कार्यालय में जिला स्तरीय उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर ने की।बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी एमपीएससीएससी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक एमपीडब्ल्यूएलसी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए।निर्देश दिए गए कि जिले के सभी उपार्जन केंद्रों पर आवश्यक भौतिक व्यवस्थाएं और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उपार्जन शुरू होने से पहले सभी केंद्र पूरी तरह तैयार रखने के निर्देश दिए गए।खाद्य सहकारिता राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और प्रत्येक शुक्रवार को निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा गया है। निरीक्षण के दौरान लिए गए फोटो संबंधित समूहों में साझा करने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि कार्यों की निरंतर निगरानी हो सके।

जिले के 12 उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और निर्धारित समय सीमा में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। एमपीएससीएससी को केंद्रों पर बारदाना फ्लेक्स और बैनर उपलब्ध कराने को कहा गया है।एमपीडब्ल्यूएलसी को समनापुर स्थित उपार्जन केंद्र को गोदाम स्तर तक विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी केंद्रों की जानकारी और सुविधाओं को पीसीएसएपी पोर्टल पर अद्यतन करने के लिए भी कहा गया है।नाप तौल निरीक्षकों को सभी उपार्जन केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक कांटों का कैलिब्रेशन सुनिश्चित करने और इसकी रिपोर्ट खाद्य कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।जिला सहकारी केंद्रीय बैंक को वर्ष 2025 26 के लंबित भुगतान वाले किसानों के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसानों को समय पर भुगतान मिल सके।बैठक के अंत में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए गेहूं उपार्जन प्रक्रिया को सफल बनाने के निर्देश दिए गए।

25 फीट गहरे कुएं में गिरे बैल को युवा टीम ने सुरक्षित निकाला

डिंडोरी । जिले के ग्राम महोदा में एक बैल के करीब 25 से 30 फीट गहरे कुएं में गिरने की सूचना मिलते ही स्थानीय स्तर पर हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही डिंडोरी युवा शक्ति की टीम तुरंत सक्रिय हुई और मौके के लिए रवाना हो गई।टीम में शामिल रोहित कांसकार सिद्धार्थ चौहान यीशु गवले सौरभ मेहरा और आदिल खान ने घटनास्थल पर पहुंचकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कुएं की अधिक गहराई और सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने साहस और सूझबूझ का परिचय दिया।काफी प्रयास के बाद टीम ने सफलतापूर्वक बैल को सुरक्षित और जीवित कुएं से बाहर निकाल लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने भी सहयोग किया और राहत की सांस ली।यह रेस्क्यू अभियान सेवा समर्पण और मानवता की उत्कृष्ट मिसाल के रूप में सामने आया है। स्थानीय लोगों ने टीम के प्रयासों की सराहना की है।

अंबेडकर जयंती पर जिलेभर में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

डिंडौरी। मध्यप्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के निर्देशानुसार और कलेक्टर के मार्गदर्शन में डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रमों के अंतर्गत 11 अप्रैल 2026 को जिले के विभिन्न विद्यालयों में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी हाई स्कूल घाटा सांदीपनि विद्यालय डिंडोरी शासकीय हाई स्कूल समनापुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाजाग शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाहपुर हाई स्कूल मोहिनी माल और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किसलपुरी सहित अन्य विद्यालयों में आयोजित हुए।स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सबसे पहले डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्नोत्तरी में भाग लिया और अपनी ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया।जिले के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेष रूप से छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डॉक्टर अंबेडकर के जीवन और उनके विचारों से परिचित कराना रहा।

टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त करने अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम।

पुष्पराजगढ़ तहसील मुख्यालय में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा संघ मध्यप्रदेश के तहसील इकाई पुष्पराजगढ़ के तत्वावधान में सैकड़ो की तादात में शिक्षक संघ लखौरा ग्राउंड में एकत्रित होकर शांति पूर्ण रैली निकालकर अपनी मांगों की आवाज बुलंद करते नारेबाजी करते हुये तहसील प्रांगण पहुँच कर मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम पुष्पराजगढ़ को ज्ञापन सौंप कर मांग की गई की शिक्षक पद के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता को समाप्त करने और सेवा अवधि की गणना पहली नियुक्ति की तिथि से करने के संबंध में यथा शीघ्र मध्य प्रदेश सरकार तक हमारी जायज मांगो को पहुँचा कर हमारे संगठन को अवगत कराई जाय।

मुख्यमंत्री के नाम सौपे गये ज्ञापन में मुख्य बिंदु

पुष्पराजगढ़ ब्लॉक इकाई की शिक्षक संयुक्त मंच संघ शिक्षक वर्ग ने प्रमुख समस्याओं के सीघ्र समाधान हेतु ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित उस निर्णय के विरुद्ध जिसमें गैर-टीईटी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करने के निर्देश जारी किए गए हैं, मध्य प्रदेश सरकार को यथाशीघ्र सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए। लोक शिक्षा निदेशालय भोपाल के आयुक्त द्वारा 2 मार्च, को और जनजातीय मामलों के विभाग भोपाल के आयुक्त द्वारा 26 मार्च को जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के आदेशों को तत्काल रद्द किया जाना चाहिए। शिक्षक वर्ग की लंबे समय से चली आ रही ज्वलंत मांग को ध्यान में रखते हुए, पहली नियुक्ति की तिथि से सेवा अवधि की गणना करते हुए पुरानी पेंशन, ग्रेच्युटी, अर्जित अवकाशों के नकदीकरण और अन्य लाभों के लिए तत्काल आदेश जारी किये जाएं।

पुष्पराजगढ़ विधायक ने दिया समर्थन

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा संघ मध्यप्रदेश के तहसील इकाई पुष्पराजगढ़ द्वारा शिक्षक पद के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता को समाप्त करने और सेवा अवधि की गणना पहली नियुक्ति की तिथि से करने के संबंध संगठन को विश्वास दिलाया की मैं आप लोगो के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलूंगा साथ ही सदन के माध्यम से आपकी बात प्रमुखता से रखकर न्यायोचित कार्यवाही कराने का भरपूर प्रयाश करूंगा।

डिंडोरी में पोषण पखवाड़ा और अंबेडकर जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित

डिंडोरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस अवधि में आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।इसी क्रम में परियोजना डिंडोरी के सेक्टर नुनखान के आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण की कहानी दादी नानी की जुबानी थीम पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पारंपरिक कहानियों के जरिए नैतिक शिक्षा संस्कार और पोषण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए गए।इसके साथ ही डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बच्चों को उनके जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक कहानियां सुनाई गईं। इस दौरान बच्चों को शिक्षा समानता और सामाजिक न्याय के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रमों में बच्चों और समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा गतिविधियों का सफल संचालन किया गया।

खबर संक्षेप

एक पखवाड़े से नहीं चल रही खेत वाली बिजली किसान परेशान

तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा अधीनस्थ कर्मचारियों को विद्युत आपूर्ति को लेकर आवश्यक निर्देश देकर व्यवस्था सुचारू करने बल दिया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ विगत 10 दिनों से प्रतिष्ठित ग्राम हीरापुर में खेत वाली लाईन नहीं चल पाने के कारण किसान परेशान बनें हुए हैं। कहीं तार टूट रहा है तो कहीं जम्फर जा रहे हैं। हीरापुर क्षेत्र के उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारी मार्च में अपनी वसूली का कोटा पूरा करके कुंभकर्णी नींद में सोय हुए हैं। लाईमेन से लेकर ओआईसी तक रात में मोबाइल बंद कर लेते हैं मूंग की फसल खत्म होने की कगार पर पहुंचती जा रही है। लगातार सभी संबंधित अधिकारियों जनप्रतिनिधियों से निवेदन कर लिया गया है। फिर भी सुधार की दिशा में कोई उचित व्यवस्था नहीं हो सकी है।ऐसी स्थिति में सोमवार में समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्र वासियों द्वारा हीरापुर पहुंच मार्ग गेट पर चक्का जाम किया जायगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी बिजली विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों की रहेगी ।

वन विभाग की कार्रवाई एवं जांच में संदेह बरकरार

रिश्तेदारी निभाते प्रतीत हो रहे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा वनों को लेकर सख्त है। वनो की किसी भी स्थिति में अवैध कटाई रोकने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबंध है लेकिन वन विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही व मिलीभगत के कारण धड़ल्ले से वनों की कटाई होती है। ऐसा ही मामला वन परिक्षेत्र नरसिंहपुर की गोरखपुर वीट का सामने आया जहां पर वृक्षों की अवैध कटाई कराकर दुकानदार को सप्लाई किया जा रहा था जिस पर वन विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। लेकिन वन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई व जांच पर भी संदेह बना हुआ है। वहीं विभाग द्वारा डेढ माह बीत जाने के बाद भी जांच व कार्रवाई का पूरी तरह खुलासा नही किया गया है। सूत्रों के अनुसार विभाग द्वारा कार्रवाई में चहेते वन कर्मियों को बचाने की बात भी सामने आ रही है।

मामला इस प्रकार

बीते फरवरी माह में वन परिक्षेत्र करेली के बरमान चैराहा स्थित दीपक यादव की फर्नीचर मार्ट से वन विभाग द्वारा 10 घन मीटर अवैध सागौन के लठ्ठे चिरान सिल्ली व अन्य सामग्री जब्त की गई। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 10 घन मीटर अवैध सागौन के साथ एक वाहन जब्त किया गया। वन विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए फर्नीचर मार्ट की दुकान आरा मशीन सहित अन्य सामग्री को सील किया गया। आरोपी द्वारा दुकान के तल घरे मे लकड़ी को छुपाकर रखा गया था वन विभाग द्वारा आरोपी से पूछताछ भी की गई। उक्त मामले को लेकर अन्य लोगों से पूछताछ की गई। कार्रवाई के दौरान वन विभाग द्वारा अवैध लकड़ी लाने के स्त्रोतों का पता लगाए जाने को लेकर कार्रवाई की जा रही है। जिसका कोई अता पता नही चला।

चहेतों पर नही हो सकी कार्रवाई

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग द्वारा कार्रवाई के दौरान पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जिसमें आरोपियों द्वारा अवैध कटाई में शामिल वन कर्मियों का नाम लिया गया जिस पर कार्रवाई करते हुए वन कर्मी कमलेश मेहरा, इकबाल खान पर कार्रवाई की गई। लेकिन मुख्य सरगना को छोड़ दिया गया। वही भौतिक स्थिति से जानकारी अनुसार दोनों वन कर्मियों की बीट को जोड़ने वाली वीट को जांच मे शामिल नही किया गया। सूत्रों के अनुसार आरोपियों द्वारा तीनों वीटों का नाम लिया गया था और विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए दो नाकेदारों पर कार्रवाई कर दी गई। वही तीसरे का अभयदान दे दिया गया। सूत्र बताते है कि नाकेदार को वन परिक्षेत्र अधिकारी से रिश्तेदारी का पूरा फायदा मिला और उन पर कार्रवाई नही की गई।

जांच व कार्रवाई पर संदेह

सूत्रों के अनुसार दीपक यादव की फर्नीचर मार्ट से जब्ती के बाद आरोपियों को ब्यान लिया गया। वन विभाग द्वारा शेष कार्रवाई के लिए मामले की जांच प्रारंभ की गई दो माह बीत जाने के बाद भी वन विभाग द्वारा जांच मे सामने आए तथ्यों के आधार पर कोई कार्रवाई की गई और ना ही अन्य लोगों को दोषी बनाया गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच के दौरान लगभग 17 लोगों को ब्यान दर्ज किए जा चुके है एवं आरोपी के पास से सागर, छिंदवाड़ा, सिवनी आदि जिलो से भी लकड़ी परिवहन हुई है। अब देखना होगा कि वन विभाग द्वारा की गई। जांच में क्या सामने आता है। हांलाकि जांच टीम मे अनुभवी अधिकारियों को टीम में शामिल किया गया था। जांच प्रतिवेदन के उपरांत क्या सामने आता है यह बात भविष्य के गर्त मे समायी हुई है। जबकि आरोपियों द्वारा कार्रवाई के दौरान अन्य वनकर्मियों की मिलीभगत की बात कही गई थी जिन पर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार आरोपियों द्वारा नाम लिए जाने के बाद संबंधित कर्मचारियों द्वारा अपनी रिश्तेदारी व रसूख के बल पर कार्रवाई होने से बचा लिया गया है।

इनका कहना है

मामले की जांच जारी है अभी तक जांच प्रतिवेदन प्राप्त नही हुआ है। जांच प्रतिवेदन जमा करने के लिए पत्र जारी किया गया है।

डॉ. कल्पना तिवारी
डीएफओ

परीक्षा निरस्त करने की मांग शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शिक्षक संघ के नेतृत्व मे जिला कार्यकारिणी द्वारा मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम दो अलग - अलग ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में शिक्षकों द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा रद्द करने सहित दो सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों की विकासखंड स्तरीय विशाल वाहन रैली एवं धरना प्रदर्शन किया गया। अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा, विकासखंड नरसिंहपुर के तत्वावधान में शिक्षकों द्वारा अपनी दो प्रमुख मांगों को लेकर विकासखंड स्तरीय विशाल वाहन रैली एवं प्रदर्शन का आयोजन किया गया। रैली मुशरान पार्क से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट कार्यालय तक पहुँची, जिसमें विकासखंड नरसिंहपुर अंतर्गतशिक्षक-शिक्षिकाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। रैली के दौरान शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा को रद्द करने तथा नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता प्रदान करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। प्रदर्शन के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों के शिक्षकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे शिक्षकों की एकजुटता और अपनी मांगों के प्रति गंभीरता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। रैली शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। संयुक्त मोर्चा के मनीष कटारे, राकेश दुबे , हरिओम शर्मा, इकबाल कुरैशी, भागीरथ विश्वकर्मा, विवेक मिश्रा, आशीष नामदेव, प्रदीप मेहरा, श्रीमती शालिनी जाट, सुमित्रा ठाकुर, दीपिका नामदेव, ने पात्रता परीक्षा को निरस्त करने एवं नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता की मांग को दोहराते हुए आगामी 18 अप्रैल को भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन में भोपाल पहुंचने की अपील कर रणनीति पर चर्चा की गई।

छात्र अर्पित यादव ने किया नागालैंड भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारत सरकार की समग्र शिक्षा अभियान के तहत एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के कक्षा 11 वीं के छात्र अर्पित यादव का चयन हुआ था। भारत सरकार की इस योजना का उद्देश्य छात्र छात्राओं को भारत की विविध संस्कृति को नजदीक से दिखाना एवं एक दूसरे के प्रति सम्मान के भाव को जागृत कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत बनाना है।इस योजना के अंतर्गत उक्त छात्र को विगत दिवस नागालैंड की यात्रा का अवसर प्राप्त हुआ। राज्य स्तर से आयोजित इस यात्रा का अवसर विभिन्न जिलों के उन छात्र छात्राओं को प्राप्त हुआ जिन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों में विशेष योगदान दिया था। उक्त छात्रों को नागालैंड की राजधानी कोहिमा का भ्रमण कराया गया। साथ ही उन्होंने नागालैंड की कोनहुआ और किसामा जनजाति क्षेत्र का भ्रमण कर उनकी भाषा, संस्कृति, खान-पान रहन-सहन इत्यादि की जानकारी हासिल की। साथ ही वहां पर स्थित कैथेड्रल चर्च का भी भ्रमण किया ।

शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाने पर जोर

बी आर सी कार्यालय में बैठक

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस बीआरसी कार्यालय चांवरपाठा में बीपीएमयू की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन बीआरसी के मार्गदर्शन में किया गया।जिसमें शिक्षा से जुड़े विभिन्न अहम बिंदुओं पर विस्तृत से चर्चा और समीक्षा की गई। कक्षा 1 से 6 तक के नामांकन बढ़ाने एवं छात्र-छात्राओं की मैपिंग कार्य को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। प्रत्येक बच्चा विद्यालय से जुड़े औशिक्षा का लाभ प्राप्त करे। बैठक के दौरान निशुल्क पाठ्यपुस्तकों के वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कि सभी विद्यार्थियों तक समय पर पुस्तकें पहुंचाना सुनिश्चितता पर जोर दिया गया।इसके साथ ही विद्यालयों में शौचालय मरम्मत कार्य की स्थिति पर भी चर्चा की गई और आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

अपार आईडी निर्माण की प्रगति पर भी चर्चा की गई जिसमें पाया गया कि कुछ विद्यालयों में कार्य अधूरा है। इस पर संबंधितों को शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत खाद्यान्न उठाव की स्थिति की भी जांच की गई ताकि विद्यार्थियों को नियमित रूप से पोषण युक्त भोजन मिल सके। बैठक में विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं पेयजल बिजली भवन की स्थिति आदि पर भी विस्तार से चर्चा की गई। हमारे प्रतिनिधि को बीआरसी सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि जहां भी कमी है उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। अंत में जन शिक्षा वार समस्त बिंदुओं की समीक्षा करते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सभी संबंधितों को समन्वय बनाकर कार्य करना होगा। बैठक में चांवरपाठा विकासखंड के सभी जन शिक्षा केंद्रो के जनशिक्षक एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित थे।

दिव्यांग खिलाड़ी ने बढ़ाया जिले का मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के दिव्यांग खिलाड़ी विशाल विश्वकर्मा ने मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और स्पेशल ओलंपिक भारत फुटबॉल नेशनल चैंपियनशिप में टीम को प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्वालियर (मध्यप्रदेश) में 6 अप्रैल 2026 से 10 अप्रैल 2026 तक आयोजित एसकेएफ मीट द वर्ल्ड नेशनल चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। विशाल ब्रह्मर्षि वशिष्ठ शिक्षण प्रशिक्षण एवं सेवा समिति (विकलांग सेवा संस्थान) नरसिंहपुर के छात्र हैं, जहां विशेष आवश्यक्ता वाले छात्रों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। छात्र की इस उपलब्धि पर संस्थान की प्राचार्या लावण्या राजमणि दुबे सहित स्टाफ सदस्यों प्रसन्नता व्यक्त कर शुभकामनाएं प्रेषित की है।

रत्नाकर सिंह ऑब्जर्वर अवार्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस समीपी ग्राम सिंहपुर निवासी प्रभाकर सिंह राजपूत के छोटे भाई रत्नाकर सिंह राजपूत को ऑब्जर्वर यंग एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है. ऑब्जर्वर पीस फाउण्डेशन वाराणसी उत्तर प्रदेश द्वारा यह अवार्ड रत्नाकर सिंह को खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। उल्लेखनीय है कि रत्नाकर सिंह निरंतर युवाओं एवं विद्यार्थियों को खेल एवं अनुशासन के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित करते हैं ऑब्जर्वर सम्मान मिलने पर शुभ चिन्तकों ने उन्हें बधाईयाँ दी।

खरीदी केन्द्रों पर नहीं पहुंचा बार दाना और ना ही सर्वेयर

शुरू नहीं हो सकी चना मसूर की खरीद

तेंदूखेड़ा भले ही शासन प्रशासन ने समर्थन मूल्य पर चना मसूर और गेंहू के लिए खरीद केंद्रों पर तारीख घोषित कर दी गई है। वहीं जिला स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अभी तक धरातल स्तर पर खरीद केंद्रों पर खरीद शुरू नहीं हो पा रही है। हमारे प्रतिनिधि को क्षेत्रीय किसानों ने बताया कि तेंदूखेड़ा क्षेत्र में जितने भी खरीद केंद्र निर्धारित किए गए हैं उनमें अभी तक खरीद शुरू नहीं हुई है। किसानों का कहना है कि इस बारे में जब संबंधित केंद्र पर चर्चा की जाती है तो उनका कहना है कि अभी बार दाना और सर्वेयर नहीं आये है। चूंकि 10 अप्रेल तक तेंदूखेड़ा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कोई खरीदी नहीं हो सकी है। किसान पशोपेश की स्थिति में बना हुआ है।उधर तेंदूखेड़ा मंडी भी सूनी पड़ी हुई है। जबकि जरुरत मंद किसान व्यापारियों के हिसाब से ही मनमानें दामों पर उपज बेंचने मजबूर बनें हुए हैं और आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारियों की गोदामों से लगातार ट्रकों में भरकर अनाज दूसरी बड़ी मंडियों में भेजा रहा है। किसानों ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि शीघ्र ही किसानों की समस्याओं का निराकरण किया जाये।

गांव, बस्ती चलो अभियान का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भाजपा के गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत भाजपा जिलाध्यक्ष पंडित रामस्नेही पाठक के नेतृत्व मे भाजपा करेली नगर मंडल में हर्रई माता जी के मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर साफ-सफाई अभियान चलाया गया तथा क्षेत्रवासियों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा रैली निकाल कर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा शनिवार को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आह्वान पर तहसील तेंदूखेड़ा के बैनर तले अपनी दो प्रमुख मांगों को लेकर प्रदेश के शिक्षा मंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार तेंदूखेड़ा को सौंपा गया जिसमें शिक्षक पात्रता परीक्षा ;ज्म्ज्द्ध के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के परिपेक्ष में मध्य प्रदेश शासन द्वारा भी यथा शीघ्र रिव्यू पिटीशन दायर कर आर टी ई अधिनियम 2009 के अस्तित्व में आने एवं उसके राज्य में क्रियान्वित किए जाने के पूर्व भर्ती हुए शिक्षकों को इससे मुक्त रखने हेतु मजबूती से पक्ष रखे जाने तथा वर्ष 1998 से कार्यरत शिक्षकों की वरिष्ठता का निर्धारण प्रथम नियुक्ति दिनांक से कर उन्हें लाभान्वित किया जाए । शिक्षकों की दोनों मांगों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेकर शिक्षकों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाये।इस मौके पर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा तहसील इकाई तेंदूखेड़ा के शिक्षक शिक्षक शिक्षिकाओं ने बड़ी संख्या में धरना प्रदर्शन रैली में भाग लिया।

यज्ञ से धर्म अर्थ काम मोक्ष आदि पुरुषार्थों की होती है प्राप्ति - पं प्रमोद पचौरी

तेंदूखेड़ा। विष्णु यज्ञ कायिक वाचिक मानसिक सांसर्गिक पापों के निवारण आध्यात्मिक आधिदैविक अधिभौतिक त्रिविध तापों की शांति जरा मृत्यु रोग भय शोक आदि व्याधियों की निवृत्ति अतिवृष्टि अनावृष्टि भूकम्प राष्ट्र विप्लव दुर्भिक्ष आदि विविध कष्टों की निवृत्ति के लिए दीर्घायु आरोग्यता के साथ भगवान की कृपा सुख शांति समृद्धि विपुल धन धान्य की प्राप्ति के लिए किया जाने वाला एक अत्यंत फलदायी वैदिक यज्ञ है। उक्ताशय के उद्गार समीपी ग्राम बंधी में चल रहे पंचकुण्डात्मक विष्णु महायज्ञ के यज्ञाचार्य हमारे क्षेत्रीय विद्वान पौरोहित्य कर्मकांड स्नातक आचार्य चतुष्टय वेदाचार्य पुराणाचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य प्रमोद पचौरी ने व्यक्त किए। यज्ञाचार्य ने बताया कि विधिपूर्वक किया गया यज्ञ सूर्यादि नवग्रहों की अनुकूलता वास्तु शांति क्षेत्रपाल प्रसन्नता और इन्द्र आदि दस दिक्पाल देवताओं की कृपा प्राप्ति पितृदोष निवारण के साथ पितरों को उत्तम लोक की प्राप्ति सनातन धर्म के प्रचार प्रसार धर्म की स्थापना विश्व शांति विश्व कल्याण के उद्देश्यों की पूर्ति करता है।यज्ञ व्यक्ति के कर्म विचार और वातावरण तीनों को शुद्ध करता है। यज्ञों का उद्देश्य देवताओं का पोषण करना

है।यज्ञ से धर्म अर्थ काम और मोक्ष आदि पुरुषार्थों की सिद्धि होती है।यज्ञ से मनुष्य देव ऋण से मुक्त हो जाता है। विष्णु यज्ञ से संतान प्राप्ति वैवाहिक सुख स्वास्थ्य लाभ यश कीर्ति बल की प्राप्ति होती है।यज्ञ के द्वारा समस्त उपद्रवों की शांति के साथ सुवृष्टि और अन्नादि के उत्पादन में वृद्धि होती है। ज्ञात रहे कि समीपी ग्राम बंधी में अयोध्या के संत श्री रामकृष्ण दास जी महाराज के संयोजन में चल रहे विष्णु महायज्ञ में श्रीमद्भागवत कथा का वाचन शिव ओम कृष्ण शास्त्री जी महाराज के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन पहुंच कर यज्ञनारायण भगवान की परिक्रमा कर पूजन अर्चन कर रहे हैं। तथा श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

50 लाख की राशि से होगा सदर मढ़िया मे डोमशेड का निर्माण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर की आस्था व श्रद्धा के केंद्रबिंदु शंकराचार्य वार्ड क्रमांक 23 मे स्थित सदर मढ़िया के सामूहिक जवारे समिति प्रांगण में डोमशेड निर्माण हेतु 50 लाख की राशि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अनुशंसा पर शहरी विकास मंत्रालय द्वारा स्वीकृत की गई है, जिसकी किश्त नगर पालिका को प्रदान हुई है। इस अवसर पर जय अंबे ट्रस्ट के सचिव एवं सामूहिक जवारे समिति के अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी द्वारा आभार व धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया गया कि स्थानीय विधायक एवं मंत्री द्वारा कराया जा रहा यह उत्कर्षित जनहितैषी कार्य शहर विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

नाम परिवर्तन सूचना

मै शपथकर्ता प्रदीप कुमार तिवारी आत्मज श्री कृष्ण कुमार तिवारी आयु 41 वर्ष निवासी पचमढ़ी जिला होशंगाबाद म. प्र.। यह कि मै उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूं। यह कि शपथकर्ता की पुत्री का जन्म दिनांक 16 जनवरी 2023 को अग्रवाल हॉस्पिटल पटेल वार्ड कंदेली नरसिंहपुर में हुआ था जिसका जन्म प्रमाण पत्र 18/05/2023 को नगर पालिका द्वारा जारी किया गया। जिसमें जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश पुत्री का घरू नाम अनाया तिवारी दर्ज हो गया है। यह कि मेरे पुत्री का सही नाम तान्या तिवारी पिता प्रदीप कुमार तिवारी माता नेहा तिवारी है।

सही नाम- तान्या तिवारी (Tanya Tiwari)
गलत नाम - अनाया तिवारी
शपथकर्ता - प्रदीप कुमार तिवारी